KUMAUN GARHWAL
CHAMBER OF COMMERCE & INDUSTRY
UTTARAKHAND
CHAMBER HOUSE, INDUSTRIAL ESTATE, BAZPUR ROAD, KASHIPUR, DISTT. U. S. NAGAR (UTTARAKHAND)
Phone : (05947) 262478, Fax : (05947) 262078, E-mail : kgcci10@gmail.com, Website : www.kgcci.in

प्रेस विज्ञप्ति

जनपद ऊधम सिंह नगर में मूलभूत एवं बुनियादी सुविधाओं के विकास के सम्बन्ध में

केजीसीसीआई अध्यक्ष, श्री अशोक बन्सल द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद ऊधम सिंह नगर में बड़ी संख्या में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम वर्ग की औद्योगिक इकाईयाँ कार्यरत हैं। इन इकाईयों में उत्पादित वस्तुओं के निर्यात की अपार सम्भावनाएं हैं लेकिन जनपद में मूलभूत एवं बुनियादी सुविधाओं का समुचित रूप से विकास न होने के कारण निर्यात की स्थिति नगण्य है। जनपद ऊधम सिंह नगर में औद्योगिक विकास के अनुरूप मूलभूत बुनियादी सुविधाओं का विकास न होने के कारण यहाँ के उद्योगों को अपने तैयार एवं कच्चे माल के यातायात में विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ता है तथा माल के परिवहन में बुनियादी सुविधाओं से युक्त क्षेत्रों की अपेक्षाकृत अधिक खर्च वहन करना पड़ता है। अतः जनपद ऊधम सिंह नगर में निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए शासन को निम्नलिखित बुनियादी सुविधाओं के विकास पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

जनपद ऊधम सिंह नगर में सड़कों की स्थिति

जनपद ऊधम सिंह नगर के अन्तर्गत पन्तनगर एवं सितारगंज में सिडकुल द्वारा विकसित एकीकृत औद्योगिक आस्थानों तथा रूद्रपुर, काशीपुर एवं आस–पास के क्षेत्रों में हजारों उद्योग कार्यरत हैं। जनपद में उद्योग, खनन एवं कृषि कार्यों में प्रयुक्त होने वाले वाहनों के आवागमन के अनुपात में सड़कों की चौड़ाई कम होने के कारण यातायात में असुविधा के साथ–साथ आये दिन होने वाली दुर्घटनाओं से जान–माल की भी भारी क्षति होती है। पन्तनगर, रूद्रपुर, काशीपुर व सितारगंज क्षेत्रों से निर्यात को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ ही प्रान्तीय राजमार्गों का भी उच्च गुणवत्तायुक्त तरीके से 4 लेन निर्माण कराया जाना नितान्त आवश्यक है।

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–74 एवं राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–87 के वर्षों से अधूरे पड़े निर्माण कार्य को यथाशीघ्र पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में

सितारगंज से काशीपुर तक राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–74 के विगत कई वर्षों से अधूरे पड़े निर्माण को यथाशीघ्र पूर्ण कराए जाने तथा काशीपुर से देहरादून के मध्य हो रहे इसी राजमार्ग के निर्माण कार्य को तीव्र गति से पूर्ण कराया जाना नितान्त आवश्यक है। इसके अतिरिक्त रूद्रपुर–नैनीताल राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–87 का निर्माण कार्य पूर्ण न होने के कारण रूदपुर में प्रशासन द्वारा दिन के समय भारी वाहनों के लिए ''नो एण्ट्री'' लागू की हुई है जिससे सिडकुल में कार्यरत औद्योगिक इकाईयों का कच्चा एवं तैयार माल समय से नहीं पहुँच पाता। नो एण्ट्री लागू होने के समय पर ही बहुत से वाहन शहर में प्रवेश कर जाते हैं लेकिन औद्योगिक इकाईयों में न पहुँच पाने के कारण वाहनों का एक दिन का अतिरिक्त भाड़ा लग जाता है जिससे वस्तुओं की उत्पादन लागत भी बढ़ जाती है। सिडकुल, पन्तनगर, रूद्रपुर व आस पास के क्षेत्रों में स्थापित उद्योगों के तैयार एवं कच्चे माल से लदे भारी वाहनों का उत्तर प्रदेश, दिल्ली एवं देश के अन्य राज्यों को आवागमन अधिकांशतः इसी मार्ग से होता है। रूद्रपुर में भारी वाहनों के सुचारू रूप से आवागमन की व्यवस्था करके ''नो एण्ट्री'' को समाप्त किया जाना चाहिए तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–87 के अधूरे निर्माण कार्य को भी यथाशीघ्र पूर्ण कराया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय राजमार्ग–74 पर किच्छा और गदरपुर के मध्य स्थित उद्योगों के पास पहुँच मार्ग के निर्माण एवं बरसाती पानी की निकासी के सम्बन्ध में

किच्छा और गदरपुर के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–74 के दोनों तरफ बड़ी संख्या में औद्योगिक इकाईयाँ कार्यरत हैं जिनके पास पहुँच–मार्ग न होने के कारण उद्योगों में प्रयुक्त होने वाले वाहनों के आवागमन में अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त पानी निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण उद्योगों में बरसात का पानी भर जाता है जिससे उनका कच्चा एवं तैयार माल खराब हो जाता है। अतः किच्छा एवं गदरपुर के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–74 के दोनों ओर स्थित औद्योगिक इकाईयों में पहुँच–मार्गों का निर्माण एवं पानी निकासी की समुचित व्यवस्था करायी जानी चाहिए।

जनपद में लोक निर्माण विभाग के अधीन सड़कों का निर्माण एवं चौड़ीकरण कराए जाने के सम्बन्ध में।

एल्डिको–सिडकुल औद्योगिक पार्क, सितारगंज में कार्यरत औद्योगिक इकाईयों में कच्चे एवं तैयार माल के यातायात में प्रतिदिन बड़ी संख्या में भारी वाहनों का आवागमन होता है जिससे औद्योगिक पार्क से सितारगंज तक की सड़क बहुत जल्दी खराब हो जाती है। वर्तमान में इस सड़क की स्थिति अत्यन्त दयनीय हो चुकी है। सड़क में जहाँ–तहाँ बड़े–बड़े गड्ढे होने से आए दिन दुर्घटनाएं भी होती रहती हैं। ट्रेफिक के हिसाब से इस सड़क की चौड़ाई भी बहुत कम है। अतः आपसे अनुरोध है कि सितारगंज से एल्डिको–सिडकुल औद्योगिक पार्क तक गुणवत्तायुक्त फोरलेन सड़क के निर्माण हेतु सकारात्मक कार्यवाही करने की कृपा करें।

बाजपुर–1, पिपलिया, सुल्तानपुर पट्टी में लम्बे समय से विकास एवं रख–रखाव कार्य न होने से नालियों, सड़कों तथा स्ट्रीट लाईटों का अस्तित्व लगभग समाप्त सा हो गया है जिससे आस्थान में स्थापित औद्योगिक इकाईयों को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अतः आपसे अनुरोध है कि उपरोक्त आस्थान में सड़कों का निर्माण, पानी के निकास हेतु नालियाँ, स्ट्रीट लाईटों एवं नियमित सफाई की व्यवस्था हेतु कार्यवाही करने की कृपा करें।

महुआखेड़ागंज रेलवे क्रॉसिंग से खाईखेड़ा तक मुख्य मार्ग की स्थिति अत्यन्त दयनीय होने से जहां एक ओर महुआखेड़ागंज में विकसित औद्योगिक आस्थानों में कार्यरत उद्योगों की गतिविधियाँ प्रभावित हो रही हैं वहीं दूसरी ओर क्षेत्र की जनता को भी आवागमन में अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महुआखेड़ागंज स्थित औद्योगिक आस्थानों में सड़कों की स्थिति अत्यन्त दयनीय होने के कारण उनमें कार्यरत इकाईयों को अपने कच्चे एवं तैयार माल के यातायात में अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़कों की दयनीय स्थिति के कारण इन आस्थानों में भूमि की उपलब्धता होते हुए भी यहाँ पर उद्यमी अपने नए उद्योग स्थापित करने में रुचि नहीं ले रहे हैं।

एल्डिको–सिडकुल औद्योगिक पार्क, सितारगंज से चोरगलिया के मध्य सड़क की स्थिति अत्यन्त जर्जर हो गयी है जिससे औद्योगिक पार्क के उद्योगों में कार्यरत श्रमिक एवं प्रबन्धन वर्ग के अधिकारियों को हल्द्वानी आने–जाने में अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

रूद्रपुर–किच्छा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–74 पर स्थित ग्राम शिमला पिस्तौर से मलसा–दरऊ रोड की स्थिति अत्यन्त दयनीय हो चुकी है। इस रोड पर काफी संख्या में औद्योगिक इकाईयाँ कार्यरत हैं तथा नई इकाईयाँ भी स्थापित हो रही हैं। औद्योगिक गतिविधियों में प्रयुक्त होने वाले वाहनों के हिसाब से इस रोड की चौड़ाई कम होने के कारण उद्योगों में प्रयुक्त होने वाले वाहनों एवं सम्बन्धित क्षेत्र के ग्रामीण लोगों को आवागमन में अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पन्तनगर एयरपोर्ट से दिल्ली एवं देहरादून के लिए वायु सेवा का नियमित संचालन

सिडकुल द्वारा विकसित एकीकृत औद्योगिक आस्थान, पन्तनगर, रूद्रपुर, सितारगंज व आस–पास के क्षेत्रों में कार्यरत औद्योगिक इकाईयों के प्रतिनिधियों का कम्पनियों के कार्यों से देश के विभिन्न शहरों व विदेशों में आना–जाना रहता है परन्तु पन्तनगर एयरपोर्ट से वायु सेवा की नियमित उपलब्धता न होने के कारण इन क्षेत्रों के उद्यमियों का त्वरित आवागमन सम्भव नहीं है जबकि निर्यात की दृष्टि से यह अत्यन्त महत्वपूर्ण है। औद्योगिक दृष्टिकोण से पन्तनगर एयरपोर्ट से वायु सेवा का नियमित संचालन अत्यन्त आवश्यक है, इससे जहां एक ओर उद्योगों के व्यापारिक कार्य सुगमतापूर्वक सम्पन्न हो सकेंगे वहीं दूसरी ओर क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। पन्त नगर से दिल्ली, देहरादून, लखनऊ, अहमदाबाद, मुम्बई, चेन्नई, हैदराबाद व देश के अन्य प्रमुख शहरों के लिए नियमित हवाई सेवा का संचालन किया जाना चाहिए तथा हर मौसम में पर्याप्त विजिबिलिटी हेतु एयरपोर्ट पर आवश्यक संयंत्र भी स्थापित किए जाने चाहिए।

रेल यातायात

उत्तराखण्ड राज्य के कुमायूं मण्डल में विभिन्न मनोरम एवं भव्य प्राकृतिक स्थल होने के कारण सम्पूर्ण विश्व के पर्यटकों का आना–जाना रहता है। इसके साथ ही इस क्षेत्र में एक बड़ी संख्या में उद्योग कार्यरत हैं। उत्तराखण्ड, नेपाल व चीन का बॉर्डर राज्य होने, भारतीय सेना में कुमाऊं क्षेत्रवासियों के अधिक सेवारत होने, उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं उनके परिजनों का अपने गृह राज्यों में पारिवारिक व व्यापारिक गतिविधियों हेतु आवागमन होने के अनुरूप वर्तमान में रेलवे द्वारा प्रदत्त सुविधाएं किसी भी स्थिति में पर्याप्त नहीं है। आवागमन रेलवे के माध्यम से ही सबसे सुलभ एवं आरामदायक हो सकता है परन्तु कुमायूं क्षेत्र में आवश्यकता के अनुरूप रेल सुविधाएं उपलब्ध न होने के कारण उद्योगों के साथ–साथ पर्यटन पर भी इसका विपरीत प्रभाव पड़ रहा है।

काठगोदाम से जम्मू तवी के मध्य संचालित गरीब रथ ट्रेन का प्रतिदिन संचालन

काठगोदाम से जम्मू जाने वाली गरीब रथ ट्रेन सप्ताह में केवल एक दिन ही चलती है जिससे क्षेत्रवासियों के आवागमन की पूर्ति सम्भव नहीं हो पा रही है। रूद्रपुर, सितारगंज व आस–पास का क्षेत्र उद्योग बहुल क्षेत्र होने, पन्तनगर में विश्व प्रसिद्ध कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय होने तथा डिफेंस सर्विस में कुमायूं का प्रतिनिधित्व ज्यादा होने के कारण ट्रेनों के द्वारा आवागमन अधिक होता है। इसके साथ ही बैष्णोदेवी आदि धार्मिक स्थलों के लिए भी यहां से अधिक आवागमन होता है जिसके कारण सप्ताह में सिर्फ एक दिन गरीब रथ चलने से किसी भी स्थिति में आवश्यकता की पूर्ति नहीं हो सकती। यातायात की आवश्यकता को देखते हुए गरीब रथ ट्रेन का संचालन प्रतिदिन किया जाना चाहिए। इस ट्रेन को अम्बाला, लुधियाना होते हुए वाया चण्डीगढ़ चलाये जाने पर रेल यात्रियों की संख्या में अधिक वृध्दि होने से रेलवे के राजस्व में भी वृध्दि होगी।

काठगोदाम से मुम्बई, चेन्नई एवं अमृतसर के लिए ट्रेन सुविधा

वर्तमान की आवश्यकता के अनुसार काठगोदाम से मुम्बई, चेन्नई व अमृतसर हेतु सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेनों का नियमित संचालन नितान्त आवश्यक है। इन ट्रेनों के माध्यम से देश के विभिन्न शहरों से सुविधाजनक सम्पर्क संभव हो सकेगा जिसका लाभ उद्योगों के साथ–साथ आम जनता को भी मिलेगा।

काठगोदाम से दिल्ली के मध्य नई एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन

जनपद ऊधम सिंह नगर, नैनीताल एवं कुमाऊँ के अन्य जनपदों के लोगों का अधिकतर व्यापार दिल्ली से रहता है। व्यापारी दिल्ली से अपने व्यापारिक कार्यों का निष्पादन करके शाम को वापस अपने घर पहुंचने का प्रयास करते हैं परन्तु समुचित रेल सुविधा न होने के कारण उन्हें अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। काठगोदाम से दिल्ली के मध्य एक नई एक्सप्रेस ट्रेन चलायी

जाये जिसका काठगोदाम से दिल्ली के लिए प्रस्थान करने का समय प्रातः 6.00 बजे तथा दिल्ली से काठगोदाम के लिए प्रस्थान करने का समय शाम को 7.00 बजे होना चाहिए।

रूद्रपुर एवं हल्दी रेलवे स्टेशनों पर गुड्स शेड्स की पर्याप्त व्यवस्था

रूद्रपुर एवं हल्दी रेलवे स्टेशनों पर गुड्स शेड्स की समुचित व्यवस्था न होने के कारण प्रतिकूल मौसम में तैयार एवं कच्चा माल खराब हो जाता है जिससे उद्योगों को अत्यधिक आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। जनपद ऊधम सिंह नगर में निर्यात को प्रोत्साहित किए जाने हेतु जनपद के अन्तर्गत स्थित समस्त रेलवे स्टेशनों पर पर्याप्त गुड्स शेड की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि जनपद के उद्योग अपने कच्चे एवं तैयार माल का ज्यादा से ज्यादा परिवहन रेलवे के माध्यम से कर सकें।

रूद्रपुर में ट्रॉंसपोर्ट नगर की स्थापना कराए जाने के सम्बन्ध में

रूद्रपुर औद्योगिक शहर होने के कारण यहाँ उद्योगों के तैयार एवं कच्चा माल के परिवहन में प्रयुक्त होने वाले ट्रकों के पार्किंग की समुचित व्यवस्था न होने के कारण जहाँ भारी वाहनों को खड़ा करने में उनके चालकों को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है वहीं दूसरी ओर इन वाहनों के जहाँ–तहाँ खड़े होने के कारण सड़कों पर आम यातायात भी बाधित होता है जिससे दुर्घटनाओं की भी सम्भावना बनी रहती है।

रूद्रपुर में वेयरहाऊसों की स्थापना के सम्बन्ध में

रूद्रपुर में कार्यरत औद्योगिक इकाईयों को देखते हुए यहाँ पर वेयरहाऊसों की व्यवस्था नहीं है जिससे औद्योगिक इकाईयों में निर्मित तैयार माल उनमें सुरक्षित रखा जा सके तथा उसके बाद वहीं से उसे बाहर के लिए डिस्पैच किया जा सके।

अशोक बन्सल

अध्यक्ष